Purple Orchids & Pink Roses In Round Vase
Rs. 895
Sunshine Sweetness
Rs. 2,845

समाज

छात्रों में आत्मविश्वास जगाते हैं विज्ञान प्रोजैक्ट्स

इस तकनीकी से दूरदराज के गांवों और कसबों में बिजली की सप्लाई हो सकेगी. इतना ही नहीं, इस सौर ऊर्जा का इस्तेमाल हमारे घरों, दफ्तरों और भी किया जा सकेगा.

सुनील शर्मा Nov 28, 2022

भारत में हर साल 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है, क्योंकि 1928 में इसी दिन महान वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकट रमन ने अपनी खोज 'रमन इफैक्ट' की घोषणा की थी. वे पहले भारतीय थे, जिन्हें विज्ञान के क्षेत्र में 'नोबल पुरस्कार' मिला था. उन्हें साल 1954 में 'भारत रत्न' से भी सम्मानित किया गया था.

भले ही चंद्रशेखर रमन को 42 साल की उम्र में 'नोबल पुरस्कार' मिला था, पर विज्ञान के प्रति उन की दिलचस्पी स्कूली जीवन में ही पड़ गई थी. शायद इसलिए कि विज्ञान की नई तकनीकों को समझाने के लिए थ्योरी के साथसाथ प्रैक्टिकल तरीके से भी पढ़ाया जाता है और छात्रों से प्रोजैक्ट्स बनवाए जाते हैं, ताकि नएनए आविष्कार होने की उम्मीद बंधी रहे.

दिल्ली के ब्रिटिश स्कूल में 11वीं क्लास में पढ़ने वाले छात्र अर्णव गुप्ता ने अपने एक ऐसे ही प्रोजैक्ट के तहत ऐसा 'मोटोराइज्ड सोलर ट्रैकर' बनाया है, जो बिजली पैदा करने के लिए सूर्य की ऊर्जा का इस्तेमाल कर के सौर पैनल की दक्षता को बढ़ाएगा.

टॉप स्टोरीज

फिल्म
आखिर क्
मलाइका
गुस्सा, बोल
हरकत'

टीवी
अनुपमा:
सामने शेर
दहाड़ेगी डि
होगा इंप्रेस

रोमांटिक
तुम मेरी ह

अनलिमिटेड कहानियां-आर्टिकल पढ़ने के लिए सब्सक्राइब करें

सोशल स्टं
नामर्द: तह
इल्जाम क
मुश्ताक

दरअसल, ज्यादातर सोलर पैनल जब इंस्टौल किए जाते हैं तो उन्हें दक्षिण दिशा की ओर एक खास अवस्था में फिक्स कर दिया जाता है, लेकिन यह तरीका बहुत असरदार नहीं है, क्योंकि सूर्य की दिशा और दशा पूरे दिन बदलती रहती है, लेकिन इस 'मोटराइज्ड सोलर ट्रैकर' की खासीयत यह है कि यह पूरे दिन सौर पैनल को घुमाएगा और पूर्व से पश्चिम की ओर सूर्य की गति को ट्रैक करेगा, जिस से यह पहले से कहीं ज्यादा ऊर्जा का प्रोडक्शन करेगा.

आसान भाषा में समझें तो यह 'मोटराइज्ड सोलर ट्रैकर' एक जबरदस्त सन (सूर्य) लोकेशन सैंसर है जो डीसी मोटर को घुमाता है, जो बदले में सोलर पैनल को घुमाता है, ताकि पैनल का मुंह पूरे दिन सूर्य की ओर रहे और ज्यादा से ज्यादा बिजली का प्रोडक्शन हो.

इस तकनीकी से दूरदराज के गांवों और कसबों में बिजली की सप्लाई हो सकेगी. इतना ही नहीं, इस सौर ऊर्जा का इस्तेमाल हमारे घरों, दफ्तरों और स्कूलों में भी किया जा सकेगा.

दिलचस्प कहानियों और सेव
हेल्थ से जुड़ी हर नई जानकारी
सब्सक्राइब करें

विष्य में नतीजा कुछ भी निकले, पर छात्रों को इस तरह के प्रोजैक्टों पर काम करते रहना चाहिए, क्योंकि ये उन का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं. छात्र जब अपने हाथों से मौडल बनाते हैं और प्रदर्शनियों में प्रस्तुतियां देते हैं, तो सार्वजनिक तौर पर बोलने से उन का मंच का डर भी दूर हो जाता है.

यही वजह है कि आजकल स्कूलों में इस तरह की गतिविधियों को बहुत ज्यादा बढ़ावा दिया जा रहा है. सरकार भी समयसमय पर छात्रों के लिए विज्ञान से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित कराती रहती है. प्राइवेट स्कूलों के साथसाथ सरकारी स्कूल भी विज्ञान से जुड़े प्रोजैक्ट और सैमिनार कराने में पीछे नहीं हैं.

अनलिमिटेड कहानियां-आर्टिकल पढ़ने के लिए सब्सक्राइब करें

किया था. रोहित ने 'अपशिष्ट प्रबंधन और जलाशयों का संरक्षण' नामक सब्जैक्ट पर अपना प्रोजैक्ट तैयार किया था.

इस के अलावा अगर मांबाप खुद जागरूक हो कर अपने बच्चों को विज्ञान से जुड़ी ऐसी गतिविधियों के बारे में बताएंगे और उन्हें इन में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे तो यकीनन नएनए आविष्कारों की राह निकलेगी.

और कहानियां पढ़ने के लिए क्लिक करें...

समाज

चर्चाओं में रहे नेताओं के पेट्स

समाज

छात्रों में आत्मविश्वास जगाते हैं विज्ञान प्रोजैक्ट्स

सरस सलिल से और

ऑडियो कहानी सेक्स रीडर्स प्रौब्लम फि

फिल्म

आखिर क्यों फूटा मलाइका अरोड़ा का गुस्सा, बोलीं- 'घटिया हरकत'

सोशल स्टोरी

नामर्द: तहजीब का इल्जाम क्या सह पाया मुश्ताक

टीवी

अनुपमा: गुंडों के सामने शेरनी बनकर दहाड़ेगी डिंपल, समर होगा इंप्रेस

रीडर्स प्रौब्लम

मेरी भाभी किसी से बात नहीं करती हैं वह एकटक शून्य में देखती रहती हैं, मैं क्या करूं?

रोमांटिक स्टोरी

तुम मेरी हो: क्या शीतल के जख्मों पर मरहम लगा पाया सारांश

सेक्सुअल हेल्थ

दिमागी नामर्दी से बचें

अनलिमिटेड कहानियां-आर्टिकल पढ़ने के लिए सब्सक्राइब करें